Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	2nd
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-203, योगासनम् एवं ध्यानम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MDC-2
Level of the course (As per Annexure-I	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	----------
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 203. I : वर्तमान जीवन में योगासन के महत्त्व को देखते हुए इस घटक में सर्वजन के लिये योगासन की उपयोगिता बताई गई है। स्वस्थ जीवन के लिये योगासन महत्त्वपूर्ण है। CLO. 203. 2 : योग के आठ अंगों के अन्तर्गत प्राणायाम एवं धारणा को बोध इस घटक के अन्तर्गत कराया जायेगा । CLO. 203. 3 : इस घटक के अन्तर्गत शरीर के विभिन्न स्थानों पर निर्दिष्ट चक्रों का परिचय एवं ध्यान की विधि तथा स्वरूप से छात्रों को अवगत कराया जायेगा । CLO. 203. 4 : मानव के व्यक्तित्व विकास में पंचकोशों का विशेष महत्त्व है । इस घटक के अन्तर्गत पंचकोशों के स्वरूप एवं उनके विकास की प्रक्रिया से अवगत कराया जायेगा ।

Credits 3	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2+1	----------	3
Contact Hours	45	----------	45
Max. Marks: 75 **Internal Assessment Marks: 25** **End Term Exam Marks:** 50		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 50 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न दस (10) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे दो (2.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	योगाासन : पद्मासन, ताड़ासन, धनुरासन, गोमुखासन, कूर्मासन, मत्स्येन्द्रासन, मयूरासन, शवासन योगासनों का महत्त्व 10अंक	11
II	प्राणायाम एवं धाारणा 10अंक	11
III	चक्र एवं ध्यान 10अंक	11
IV	पंचकोश 10अंक	12

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 25 Marks

➢ **Theory**

- Class Participation: 5 Marks
- Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 10 Marks
- Mid-Term Exam: 10 Marks

End Term Examination: 50 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 हठयोगप्रदीपिका, व्याख्याकार अजय कुमार उत्तम, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी
2 जाबालदर्शनोपनिषद्, संपादक श्रीराम शर्मा, युगनिर्माण योजना प्रैस, मथुरा
3 तैत्तिरीयोपनिषद्, (द्वितीय वल्ली) शांकरभाष्य गीताप्रेस, गोरखपुर
4 योगासन और योगसाधना, डा० सत्यपाल, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

Kurukshetra University
Kurukshetra

Scheme of Examinations and Syllabus for
Under-Graduate Programme (Multidisciplinary)

Subject: Sanskrit

(Ist Semester to VIIIth Semester)

Under Multiple Entry-Exit, Internship and CBCS-LOCF in accordance to NEP-2020 w.e.f 2023-24 (in phased manner)

Kurukshetra University Kurukshetra
Revised Scheme of Courses in Sanskrit for U.G Programme Subject Sanskrit as per NEP 2020 (Multiple Entry-Exit, Internships and Choice Based Credit System) w.e.f 2023-24 in the phased manner

Semester	CORE COURSES Sanskrit	Paper	Nomenclature of Paper	Credits	Contact hours (Theory+ Tutorial)	Internal Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
I	CC-1/ MCC-1	B23-SKT-101	नीतिसाहित्यं व्याकरणं च	4	4	30	70	100	3
	MCC-2	B23-SKT--102	रघुवंशं बुद्धचरितं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-1	B23-SKT-103	संस्कृत–सम्भाषणम्	3	3	25	50	75	3
	CC-M1	B23-SKT-104	प्रयोगात्मक–संस्कृतम्	2	2	15	35	50	2
II	CC-2/ MCC-3	B23-SKT-201	श्रीमद्भगवद्गीता, स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च	4	4	30	70	100	3
	DSEC-1	B23-SKT-202	किरातार्जुनीयं नीतिशतकं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-2	B23-SKT-203	योगासनम् एवं ध्यानम्	3	3	25	50	75	3
	CC-M2	B23-SKT-204	संस्कृत–चयनिका	2	2	15	35	50	2
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 2nd Semester									
III	CC-3/ MCC-4	B23-SKT-301	ऐतिहासिकमहाकाव्यम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-5	B23-SKT-302	स्वप्नवासवदत्तम्	4	4	30	70	100	3

	MDC-3	B23-SKT-303	यज्ञप्रक्रियायाः वैज्ञानिकाधारः एवं वर्णोच्चारणम्	3	3	25	50	75	3
IV	CC-4 / MCC-6	B23-SKT-401	महाकाव्यम् उपन्यासः एवं शब्दप्रक्रिया	4	4	30	70	100	3
	MCC-7	B23-SKT-402	आधुनिक–संस्कृतसाहित्यम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-8	B23-SKT-403	काव्यशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-1	B23-SKT-404	काव्यदीपिका वृत्तरत्नाकरः च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-405	संस्कृतसाहित्ये राष्ट्रवादः	4	4	30	70	100	3
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 4th Semester									
V	CC-5/ MCC-9	B23-SKT-501	वैदिकसाहित्यपरिचयः, नाटकम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-10	B23-SKT-502	लघुसिद्धांतकौमुदी प्रक्रिया च	4	4	30	70	100	3
	DSE-2	B23-SKT-503	दशकुमारचरितं शिवराजविजयं च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-504	धर्म, संस्कृतिः दर्शनं च	4	4	30	70	100	3
	DSE-3	B23-SKT-505	भारतीयपरिप्रेक्ष्ये व्यक्तित्वविकासः	4	4	30	70	100	3

		OR							
		B23-SKT-506	संस्कृतमहाकाव्यकाराः गद्यकाराः नाट्यकाराः च	4	4	30	70	100	3

Semester	**Core courses Sanskrit**	**Paper**	**Nomenclature**	**credits**	**Contact hours**	**Internal Assessment Marks**	**External Marks**	**Total**	**Duration of Exam (Hrs.)**
VI	CC-6/ MCC-11	B23-SKT-601	नाटकं व्याकरणं निबन्धश्च	4	4	30	70	100	3
	MCC-12	B23-SKT-602	उपनिषद्–गीतानुसारं जीवनदर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-4	B23-SKT-603	संस्कृतसाहित्ये नीतिः आचारः च	4	4	30	70	100	3
			OR						
		B23-SKT-604	संहिता, व्याकरणम् एवं दर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-5	B23-SKT-605	वास्तुशास्त्रस्य सामान्यपरिचयः	4	4	30	70	100	3
			OR						
		B23-SKT-606	सन्तुलितजीवन–पद्धतिः	4	4	30	70	100	3

Scheme of Courses in **Sanskrit** for **UG Honours** Programme

Semester	Core courses Sanskrit	Paper	Nomenclature	credits	Contact hours	Internal Assessment Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
VII	CC-H1	B23-SKT-701	संहिता उपनिषद् च	4	4	30	70	100	3
	CC-H2	B23-SKT-702	व्याकरणं भाषाविज्ञानं च – 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H3	B23-SKT-703	भारतीयदर्शनम् – 1	4	4	30	70	100	3
	DSE-H1	B23-SKT-704	काव्यं नाटकं च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-705	धर्मशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	PC-H1	B23-SKT-706	शोध–प्रविधि	4	4	30	70	100	3
VIII	CC-H4	B23-SKT-801	ब्राह्मणम् वेदाङ्गानि च	4	4	30	70	100	3
	CC-H5	B23-SKT-802	व्याकरणं भाषाविज्ञानं च – 2	4	4	30	70	100	3
	CC-H6	B23-SKT-803	भारतीयदर्शनम् – 2	4	4	30	70	100	3

	DSE-H2	B23-SKT-804	काव्यं काव्यशास्त्रं च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-805	धर्मशास्त्रम् अभिलेखाश्च	4	4	30	70	100	3
	PC-H2	B23-SKT-806	आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञानम्	4	4	30	70	100	3

Scheme of Courses in **Sanskrit** for **UG Honours with Research Programme**

Semester	Core courses Sanskrit	Paper	Nomenclature	credits	Contact hours	Internal Assessment Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
VII	CC-H1	B23-SKT-701	संहिता उपनिषद् च	4	4	30	70	100	3
	CC-H2	B23-SKT-702	व्याकरणं भाषाविज्ञानं च – 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H3	B23-SKT-703	भारतीयदर्शनम् – 1	4	4	30	70	100	3
	DSE-H1	B23-SKT-704	काव्यं नाटकं च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-705	धर्मशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	PC-H1	B23-SKT-706	शोध–प्रविधि	4	4	30	70	100	3

VIII	CC-H4	B23-SKT-801	ब्राह्मणम् वेदाङ्गानि च	4	4	30	70	100	3
	CC-H5	B23-SKT-802	धर्मशास्त्रम् अभिलेखाश्च	4	4	30	70	100	3
	Project/ Dissertation B-23-SKT-807		**Research**		**12**			**300**	

(Value Added Courses)									
I	VAC-307	B23-VAC-307	पंचकोश : सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास	2	2	15	35	50	2
II	VAC-312	B23-VAC-312	प्रारंभिक संस्कृत भाषा ज्ञान	2	2	15	35	50	2
III	VAC-313	B23-VAC-313	संस्कृत साहित्य में नाट्य एवं रंगमंच	2	2	15	35	50	2
III	VAC-328	B23-VAC-328	श्रीमद्भगवद्गीता : एक परिचय	2	2	15	35	50	2
IV	VAC-315	B23-VAC-315	भारतीय ज्ञान परम्परा एवं पद्धति	2	2	15	35	50	2
(Ability Enhancement Course)									
Semester I	AEC-1	B23-AEC-131	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-1	2	2	15	35	50	2
Semester II	AEC-2	B23-AEC-132	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-2	2	2	15	35	50	2
Semester III	AEC-3	B23-AEC-133	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-3	2	2	15	35	50	2
Semester IV	AEC-4	B23-AEC-134	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-4	2	2	15	35	50	2

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Art
Course Code	B23-SKT-501, वैदिकसाहित्यपरिचयः नाटकम् एवं व्याकरणम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–5 / MCC – 9
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 501.1 – काव्य की एक विधा नाट्यशास्त्र है। नाटक भारतीय समाज में चिन्तन एवं कला का एक कौशल रूप है। अभिज्ञानशाकुन्तलम् कालिदास विरचित विश्वप्रसिद्ध नाटक है। इसमें भारतीय समाज के सभी पहलुओं पर चिन्तन किया गया है। CLO : 501.2 – महाकवि कालिदास भारतीय परम्परा की अमूल्य धरोहर है। प्रस्तुत घटक में कवि का काल निर्णय, काव्य शैली एवं नाट्य शैली से छात्रों को परिचित करवाया जाता है। CLO : 501.3 – संस्कृत साहित्य अति प्राचीन एवं विस्तृत है। संस्कृत साहित्य का आरम्भ वेदों से होता हुआ निरन्तर गतिमान है। प्रस्तुत घटक में छात्रों को वैदिक साहित्य से परिचित करवाया जायेगा। CLO : 501.4 – व्याकरण, भाषा के शुद्ध स्वरूप को जानने एवं समझने में सहायक है। प्रस्तुत घटक में भाषा का ज्ञान व्याकरण के

	माध्यम से छात्रों को करवाया जायेगा।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	अभिज्ञानशाकुन्तलम् - प्रथम से चतुर्थ अङ्क तक 14 अङ्क (क) दो पाठ्यांशों की सप्रसंग व्याख्या 2x5 = 10 (ख) एक सूक्ति की व्याख्या अथवा निर्धारित अङ्कों में से किसी अङ्क का सार अथवा एक आलोचनात्मक प्रश्न-1x4=4 अङ्क	16
II	कालिदासः जीवन परिचय, काल विवेचन, काव्यशैली, नाट्यशैली (14 अङ्क) (क) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x8 = 8 अङ्क (ख) एक टिप्पणी 1x6 = 6 अङ्क	14
III	वैदिक साहित्य का इतिहास: वैदिक साहित्य- संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग साहित्य (14 अङ्क) दो निबन्धात्मक प्रश्न 2x7 = 14 अङ्क	14

IV	लघुसिद्धान्तकौमुदी एवं अलङ्कार 14 अङ्क (क) विभक्त्यर्थप्रकरणः- सूत्रव्याख्या/अशुद्धि संशोधन/वाक्यरचना- 7अङ्क (ख) अलङ्कार - अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिश्योक्ति, विशेषोक्ति, विभावना, अर्थान्तरन्यास 2x3½=7 अङ्क	16
Suggested Evaluation Methods		
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks		**End Term Examination: 70 Marks**
Part C-Learning Resources		
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ॰ वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा । 2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, नागरी मुद्रण, काशी । 3. लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ॰ सत्यपाल सिंह, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली । 4. साहित्यदर्पण, दशम परिच्छेद, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।		

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-502, लघुसिद्धान्तकौमुदी प्रक्रिया च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MCC–10
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 502.1 – पाणिनि व्याकरण में प्रवेश हेतु तत्संज्ञाओं का लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार ज्ञान इस घटक में कराया गया है। CLO : 502.2 – संस्कृत भाषा में संधियों का विशेष महत्त्व है। यह घटक अच् संधि का अवबोधन कराता है। CLO : 502.3 – वाक्य संरचना में तिङन्त पदों का विशेष महत्त्व होने से यह घटक तिङन्त प्रकरण का प्रारंभिक ज्ञान विद्यार्थियों को करवाता है। CLO : 502.4 – इस घटक के माध्यम से अजन्त पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग एवं नपुंसकलिङ्ग शब्दों की रूपसिद्धि द्वारा सुबन्त शब्दों का ज्ञान कराया जाएगा।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	**Topics**	**Contact Hours**
I	लघुसिद्धान्तकौमुदी- संज्ञाप्रकरण (14 अङ्क) (क) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) दो संज्ञाओं से सम्बद्ध: एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	14
II	लघुसिद्धांतकौमुदी-सन्धिप्रकरण (अच् संधि) (14 अङ्क) (क) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 2x3 = 6 अङ्क (ख) दो रूपों की ससूत्र सिद्धि 2x4 = 8 अङ्क	16
III	लघुसिद्धांतकौमुदी: तिङन्तप्रकरण निम्नलिखित धातुओं के केवल लट्-लोट्-लृट्-लङ्-विधिलिङ् लकारों की रूपसिद्धि- भू, एध् 14 अङ्क (क) सोदाहरण सूत्रव्याख्या 2x3 = 6 अङ्क (ख) रूपसिद्धि 2x4 = 8 अङ्क	16
IV	लघुसिद्धांतकौमुदी सुबन्तप्रकरण 14 अङ्क निम्नलिखित पदों की रूपसिद्धि- राम, रमा, ज्ञान (क) सोदाहरण सूत्रव्याख्या 2x3 = 6 अङ्क	14

	(ख) रूपसिद्धि 2x4= 8 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. लघुसिद्धांतकौमुदी, व्याख्याकार - डॉ॰ सत्यपाल सिंह, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-503, दशकुमारचरितं, शिवराजविजयञ्च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSC–2
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 503.1 – इसमें भारतवर्ष के पञ्चम शताब्दी के राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक जीवन पर प्रकाश डाला गया है। छात्रों को इसके अध्ययन से भारतीय इतिहासबोध व अन्धविश्वासों से दूर रहने की प्रेरणा दी गई है। CLO : 503.2 – कवि दण्डी तथा कथा से सम्बन्धित आलोचनात्मक टिप्पणी के माध्यम से काव्य के गुण-दोषों तथा सामाजिक जीवन से सम्बन्धित तथ्यों पर प्रकाश डाला गया है। CLO : 503.3 – 16वीं तथा 17वीं शताब्दी के भारतीय राजनैतिक वातावरण का पता चलता है। इसमें वीर शिवाजी का मुगलों से संघर्ष व विजय का वर्णन है। CLO : 503.4 – पं॰ अम्बिकादत्त व्यास तथा शिवराजविजय से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्नों के माध्यम से साहित्य बोध में सहायता मिलती है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	**Topics**	**Contact Hours**
I	दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वासः) (14 अङ्क) (क) गद्यांश व्याख्या 2x5 = 10 अङ्क (ख) पंक्ति व्याख्या 1x4 = 4 अङ्क	16
II	दशकुमारचरितम् एवं दशकुमारचरितसम्बद्ध कवि को आधार बनाकर (14 अङ्क) (क) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x10 =10 अङ्क (ख) एक संक्षिप्त टिप्पणी 1x4 =4 अङ्क	14
III	शिवराजविजय (प्रथम निश्वास) (14 अङ्क) (क) गद्यांशव्याख्या 2x5 = 10 अङ्क (ख) पंक्तिव्याख्या 1x4 = 4 अङ्क	16
IV	शिवराजविजयसम्बद्ध लेखक एवं शिवराजविजय को आधार बनाकर (14 अङ्क) (क) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x10 = 10 अङ्क (ख) एक संक्षिप्त टिप्पणी 1x4 = 4 अङ्क	14

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. दशकुमारचरितम्, व्या॰ आचार्य श्रीशेषराजशर्मा रेग्मी, चैखम्बा कृष्णदास एकेडमी, बनारस
2. शिवराजविजय, व्या॰ देवनारायण मिश्र, साहित्य भंडार, मेरठ

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-504, धर्म, संस्कृतिः दर्शनञ्च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–2
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 504.1 – उपनिषदों का सार श्रीमद्भगवद्गीता भारतीयज्ञानपरंपरा का उच्चकोटि का ग्रंथ है। इस घटक में गीता के 12वें अध्याय का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 504.2 – व्यक्ति सम्यक् साधना और पवित्र आचरण से जीवनशैली के द्वारा जीवनयात्रा को सुगम, सरल करते हुए मोक्ष के मार्ग को प्राप्त करता है। यह ज्ञान योगदर्शन के अनुसार इस घटक में बताया जाएगा । CLO : 504.3 – भारतीय समाज में संस्कारों का बहुत महत्त्व है। इस घटक में 16 संस्कारों का ज्ञान छात्रों को दिया जाएगा। CLO : 504.4 – मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए, यह मनुस्मृति के अनुसार इस घटक में बताया गया है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	श्रीमद्भगवद्गीता - 12वाँ अध्याय 14 अङ्क (क) दो श्लोकों की व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	15
II	पातञ्जलयोगसूत्र (साधनपाद 39-55) 14 अङ्क (क) दो सूत्रों की व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	15
III	षोडशसंस्कार एवं उनका महत्त्व 14 अङ्क संस्कारों का स्वरूप, उनकी विधि एवं महत्त्व से संबंधित दो आलोचनात्मक प्रश्न 2x7 =14 अङ्क	15
IV	मनुस्मृतिः (सप्तम अध्याय 1-50) 14 अङ्क (क) दो श्लोको की व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. श्रीमद्भगवद्गीता, तत्त्वविवेचनी टीका, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
2. पातञ्जलयोगप्रदीप, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली ।
3. हिंदुसंस्कार, राजबली पाण्डेय, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी ।
4. संस्कारविधि, महर्षि दयानंद सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, नया बांस, दिल्ली ।
5. मनुस्मृति, कुल्लूकभट्टकृतमन्वर्थमुक्तावली-सहिता, शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-505, भारतीयपरिप्रेक्ष्ये व्यक्तित्वविकासः
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–3
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 505.1 – भारतीय परम्परा में वेदों, उपनिषदों में ऋषियों द्वारा अर्जित ज्ञान विद्यमान है। उन्हीं के माध्यम से छात्रों को अपने व्यक्तित्व के विकास को विकसित करने का ज्ञान दिया जाता है। CLO : 505.2 – मानव सम्पूर्ण सृष्टि का महत्त्वपूर्ण अंग है। इस घटक में गीता के प्रथम अध्याय के आधार पर छात्रों को जीव, ब्रह्म आदि के बारे में बताया जाता है। CLO : 505.3 – इस घटक में गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर छात्राओं को कर्मयोग के बारे में बताया जाता है। CLO : 505.4 – गीता धर्मशास्त्र है जिसकी परिधि मानव के विकास में महत्त्वपूर्ण है। मानव का व्यवहार कैसा हो? यही ज्ञान छात्रों को दिया जाता है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics		Contact Hours
I	ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य ऋग्वेद 1.164.1-5, छान्दोग्योपनिषद् 6.2.3, 6.8.6, 8.1.6, बृहदारण्यकोपनिषद् 2.5, 18-19, (क) मन्त्र व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4= 8 अङ्क 1x6 =6 अङ्क	15
II	मानव की अवधारणा गीता, प्रथम अध्याय, 1-30 (क) श्लोक व्याख्या (ख) आलोचनात्मक/विवेचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 = 8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	15
III	क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ एवं क्षर अक्षर विचार गीता-अध्याय 13, 1-2, 5-6, 19-23 गीता अध्याय- 15 (क) श्लोक व्याख्या (ख) आलोचनात्मक/विवेचनात्मक प्रश्न	 14 अङ्क 2x4 = 8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	15

IV	मानव-व्यवहार-परिशोधन 14 अङ्क गीता, अध्याय - 18, 41-62 (क) श्लोक व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) आलोचनात्मक / टिप्पणी प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	15
Suggested Evaluation Methods		
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks		**End Term Examination: 70 Marks**
Part C-Learning Resources		
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. ऋग्वेद सायणभाष्य सहित 2. छान्दोग्योपनिषद्, शांकरभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर 3. बृहदारण्यकोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर 4. श्रीमद्भगवद्गीता, शांकरभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर		

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-506, संस्कृतमहाकाव्यकाराः गद्यकाराः, नाट्यकाराः च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/ VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–3
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 506.1 – इस घटक में आदिकवि वाल्मीकि, व्यास, कालिदास और अश्वघोष कवियों का ऐतिहासिक परिचय, काव्य-परंपरा, कवि का जीवन आदि विषयों के द्वारा संस्कृत महाकाव्य के उद्भव और विकास से अवगत कराया जाता है। CLO : 506.1 – इस घटक में वर्तमान परिप्रेक्ष्य से संबंधित संस्कृत साहित्य के आधुनिक महाकाव्यकारों का परिचय एवं उनकी रचनाओं का ज्ञान कराया जाएगा । CLO : 506.3 – संस्कृत की अन्य विधा आख्यान, कथा, उपन्यास आदि के परिचय द्वारा प्राचीन भारत से लेकर आधुनिक भारत की स्थिति से छात्रों को संस्कृत साहित्य की विस्तृत परंपरा का बोध कराया जाता है। CLO : 506.4 – संस्कृत साहित्य की नाट्य परंपरा के कवियों के नाटकों के द्वारा अभिनय के माध्यम से भारतीय सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक जीवन से अवगत कराना उद्देश्य है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks: **100** **Internal Assessment Marks:** **30** **End Term Exam Marks:** **70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	संस्कृतमहाकाव्यकार - वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, अश्वघोष, भारवि, माघ, श्रीहर्ष 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 =8 अङ्क (ख) दो संक्षिप्त टिप्पणी 2x3 =6 अङ्क	16
II	आधुनिक संस्कृतमहाकाव्यकार 14 अङ्क सुधीकान्त भारद्वाज, महावीर प्रसाद, मिथिलेश शर्मा शास्त्री, जगदीश प्रसाद सेमवाल, मथुरादत्त पाण्डेय, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, जानकी वल्लभ शास्त्री (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 = 8 अङ्क (ख) दो संक्षिप्त टिप्पणी 2x3 = 6 अङ्क	14
III	संस्कृतगद्यकार - बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्तव्यास 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 = 8 अङ्क (ख) दो संक्षिप्त टिप्पणी 2x3 = 6 अङ्क	15

IV	नाट्यकार - भास, कालिदास, शूद्रक, भवभूति, श्रीहर्षवर्धन 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 = 8 अङ्क (ख) दो संक्षिप्त टिप्पणी 2x3 = 6 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा भारती एकेडमी, वाराणसी ।
2. आधुनिक संस्कृत साहित्य संग्रह - डॉ॰ राजमंगल यादव, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली ।
3. हरियाणा की संस्कृत साधना, डॉ॰ वीरेन्द्र कुमार अलंकार, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पञ्चकूला ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-601, नाटकं व्याकरणं निबन्धश्च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–6 / MCC – 11
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 601.1 – कालिदास-विरचित अभिज्ञानशांकुतलम् संस्कृत साहित्य का उत्कृष्ट नाटक है। छात्रों को इस घटक में भारतीय सामाजिक जीवन से परिचित करवाया जाएगा। CLO : 601.2 – इस घटक में कालिदास की कृतियों में जीवन दृष्टि, राष्ट्रीय भावना प्रकृति से प्रेम आदि का ज्ञान करवाया जाएगा । CLO : 601.3 – इस घटक में लघुसिद्धांतकौमुदी के अनुसार ङीप्, ङीष् टापादि स्त्री प्रत्ययों का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 601.4 – इस घटक में वेदों, वेदाङ्गों, संस्कृत का महत्त्व आदि विषयों का परिचय कराया जाएगा।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएंगे । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	अभिज्ञानशाकुन्तलम् - (5 से 7 अङ्क तक) 14 अङ्क (क) दो श्लोक व्याख्या 2x5 =10 अङ्क (ख) एक सूक्ति की व्याख्या 1x4= 4 अङ्क	16
II	कालिदास की कृतियों में जीवन-दृष्टि, राष्ट्रीय भावना, प्रकृति-चित्रण, अलंकार-प्रयोग 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x10 =10 अङ्क (ख) एक टिप्पणी 1x4 = 4 अङ्क	14
III	वरदराज, लघुसिद्धांतकौमुदी - स्त्रीप्रत्ययप्रकरण (14 अङ्क) (क) दो रूप सिद्धि 2x4 =8 अङ्क (ख) दो सोदाहरण सूत्रव्याख्या 2x3 = 6 अङ्क	16
IV	संस्कृत-निबन्ध (सरल विषय पर संस्कृत में एक निबन्ध)- वेदानां महत्त्वम्, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, भारतीय ज्ञानपरंपरा, गीता सुगीता कर्त्तव्या, वेदाङ्गानि, परोपकारः, सत्संगति, विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्। 14अङ्क	14

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. अभिज्ञानशांकुतलम्, डॉ॰ वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
2. लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ॰ सत्यकाम सिंह, परिमल प्रकाशन, दिल्ली

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-602, उपनिषद्गीतानुसारं जीवनदर्शनम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MCC–12
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 602.1 – शिक्षादर्शन की दृष्टि से तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली अत्यन्त उपादेय है। उसका ज्ञान कराना इस घटक का प्रयोजन है। CLO : 602.2 – छात्रों के आत्मिक विकास हेतु आध्यात्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण ईशोपनिषद् का अवबोधन इस घटक में निहित है। CLO : 602.3 – वैश्विक दर्शन के क्षेत्र में श्रीमद्भगवद्गीता का विशेष महत्त्व है। इस घटक के माध्यम से गीता के द्वितीय अध्याय के प्रारम्भिक 36 श्लोकों का ज्ञान कराया जाएगा । CLO : 602.4 – श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के 37-72 श्लोकों का अवगमन कराना इस घटक का अभिधेय है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics		Contact Hours
I	तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षावल्ली 12 अनुवाक तक) (क) अनुवाक व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6= 6 अङ्क	16
II	ईशावास्योपनिषद् (क) मन्त्र व्याख्या (ख) निबन्धात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	14
III	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय 1-36 श्लोक) (क) श्लोक व्याख्या (ख) निबन्धात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6= 6 अङ्क	15
IV	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय 37-72 श्लोक) (क) श्लोक व्याख्या (ख) निबन्धात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 = 8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**
Part C-Learning Resources	
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर । 2. श्रीमद्भगवद्गीता, शांकरभाष्य, गीताप्रेस, गोरखपुर ।	

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-603, संस्कृतसाहित्ये नीतिः आचारः च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–4
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 603.1 – नीति के सन्दर्भ में आचार्य चाणक्य के विचार ग्राह्य एवं महत्त्वपूर्ण हैं। इस घटक में अर्थशास्त्र के प्रथम अधिकरण के दो अध्यायों का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 603.2 – महाभारत के शान्तिपर्व में वर्णित नीति एवं आचार को पढ़कर विद्यार्थी उसे आत्मसात् करें, यही प्रकृत घटक का उद्देश्य है। CLO : 603.3 – महाभारत के अरण्य पर्व में निहित नीति एवं आचार का अवबोध इस घटक में है। CLO : 603.4 – गुरुशिष्य सम्बन्धविषयक व्यावहारिक ज्ञान एवं राष्ट्रनीति व राष्ट्रप्रेम की समझ विकसित करना इस घटक का प्रयोजन है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics		Contact Hours
I	अर्थशास्त्र, (प्रथम अधिकरण, 1-2 अध्याय) (क) उद्धरण व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 1x7 =7 अङ्क 1x7 =7 अङ्क	15
II	महाभारत (शान्तिपर्व, अध्याय 109.1-13) (क) श्लोक व्याख्या (ख) टिप्पणी	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	15
III	महाभारत, (आरण्यक पर्व, अध्याय 297) (श्लोक - 26-31, 34-47, 52-59) (क) श्लोक व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	15
IV	चाणक्यनीति (प्रथम अध्याय) (क) श्लोक व्याख्या (ख) टिप्पणी	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6 =6 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. अर्थशास्त्रम्, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
2. महाभारत, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
3. चाणक्यनीति, पं॰ राधाकृष्ण श्रीमाली, अनुराग प्रकाशन, महरौली, नई दिल्ली

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-604, संहिता, व्याकरणम् एवं दर्शनम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–4
Level of the course (As per Annexure-I	
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 604.1 – वेद भारतीय ऋषियों की आलौकिक चिंतनधारा का प्रतीक है। इस घटक में अग्नि, इन्द्र, हिरण्यगर्भ सूक्तों से छात्रों को आरंभिक सृष्टि विज्ञान से अवगत करवाया जाएगा। CLO : 604.2 – इस घटक में अथर्ववेद के भूमिसूक्त के माध्यम से माता के समान भूमि हमें सभी योग्य वस्तुओं को प्रदान करती है। CLO : 604.3 – वैदिक भाषा को समझने के लिए वैदिक व्याकरण की आवश्यकता होती है। इस घटक में छात्रों को उससे अवगत करवाया जाएगा । CLO : 601.4 – इस घटक में तर्कसंग्रह नामक ग्रन्थ के अनुसार सृष्टि के पदार्थों का विवेचन करवाया जाएगा।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	ऋग्वेदसंहिता 1.1 अग्निसूक्त, 2.12 इन्द्रसूक्त, 10.121 हिरण्यगर्भसूक्त, 10.191 संज्ञानसूक्त 14 अङ्क (क) दो मन्त्रों की व्याख्या 2x4 =8 अङ्क (ख) सूक्तसार/देवता परिचय/टिप्पणी 1x6= 6 अङ्क	15
II	अथर्ववेदसंहिता, भूमिसूक्त (12.1.1-30) 14 अङ्क (क) दो मन्त्रों की व्याख्या 2x4= 8 अङ्क (ख) सूक्तसार/टिप्पणी 6 अङ्क	15
III	वैदिकभाषायाः वैशिष्ट्यम्, लेट्लकार, तुमर्थकप्रत्यय, स्वरपरिचय (उदात्त, अनुदात्त, स्वरित) 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	14
IV	तर्कसंग्रह (पदार्थविवेचन, द्रव्यगुणादिविवेचन, प्रत्यक्षखण्ड) 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	16

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. ऋक्सूक्तसंग्रह, कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. अथर्ववेद, सायणभाष्यसहित
3. तर्कसंग्रहः, व्या॰ डॉ॰ पंकज कुमार मिश्र, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-605, वास्तुशास्त्रस्य सामान्यपरिचयः
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSC–5
Level of the course (As per Annexure-I	
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 605.1 – छात्रों के कौशल विकास पर आधारित प्रकृत प्रश्न पत्र का यह घटक वास्तुशास्त्र का परिचय देता है। CLO : 605.2 – भवन निर्माण के कार्य से पूर्व भूमि का विचार आवश्यक है। इसका ज्ञान कराना प्रकृत घटक का उद्देश्य है। CLO : 605.3 – आवासीयवास्तु को आधार बनाकर विशेष समझ विकसित करना इस घटक का प्रयोजन है। CLO : 605.4 – इस खण्ड में गृहप्रवेश के समय पालनीय आचार निहित हैं।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**
Internal Assessment Marks:	**30**
End Term Exam Marks:	**70**

Time: 3 Hrs.

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	वास्तुशास्त्र का स्वरूप, वास्तुशास्त्र का महत्व एवं उपयोगिता, वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकास वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक आचार्य (वराहमिहिर, विश्वकर्मा, भय, भोज) 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	16
II	भूमि-भूखण्डविचार, भूखण्ड की आकृति, भूमिपरीक्षण शुभवृक्ष, वनस्पतियाँ, जलस्थान का निर्धारण, खनन विधि 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	15
III	आवासीयवास्तुनिर्माण, कक्षनिर्माण, भवनद्वार, वास्तु पुरुष की उत्पत्ति एवं लक्षण 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	15

IV	गेरारम्भ, गृहप्रवेशविचार, गृहप्रवेशमुहूर्त, कलशचक्रशुद्धि, वास्तुशान्ति, गृहमेलापक विचार 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	14

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. मयमत, शैलजा पाण्डेय, चौखम्बासुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
2. विष्णुधर्मोत्तरपुराण, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
3. समरांगणसूत्रधार, श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
4. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास, डॉ॰ विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली ।
5. बृहद्वास्तुमाला, श्रीरामनिहोर द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला, वाराणसी ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-606, संतुलितजीवनपद्धतिः
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–5
Level of the course (As per Annexure-I	
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 606.1 – संतुलित एवं व्यवस्थित जीवन जीना व्यक्ति के आचार-व्यवहार पर निर्भर करता है। इस घटक में बृहदारण्यकोपनिषद् में बताये मार्ग को अपनाकर छात्र संतुलित जीवन की कला को जान सकते हैं । CLO : 606.2 – योग के द्वारा व्यक्ति चित्त को वश में करके अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है। इस घटक में योगसूत्रों से छात्र इसका ज्ञान प्राप्त करेंगे। CLO : 603.3 – इस घटक में छात्र गीता से ज्ञान भक्ति एवं कर्म की शिक्षा ग्रहण करते हैं, जो जीवन में संतुलन बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते है। CLO : 603.4 – ध्यान करते हुए व्यक्ति चित्तवृत्तियों का निरोध कर समाधि की अवस्था तक पहुँचता है और दुःखों से छुटकारा पा लेता है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	**Topics**	**Contact Hours**
I	बृहदारण्यकोपनिषद् (2.4-5) 14 अङ्क श्रवण, मनन, निदिध्यासन (क) एक उद्धरण व्याख्या 7 अङ्क (ख) एक टिप्पणी 7 अङ्क	15
II	योगसूत्र (1-11) चित्तवृत्तिनिरोध 14 अङ्क (क) दो सूत्र व्याख्या 2x4= 8 अङ्क (ख) एक टिप्पणी 1x6 =6 अङ्क	15
III	ज्ञानयोग, कर्मयोग एवं भक्तियोग (गीता 3.5-21) 14 अङ्क (क) दो श्लोक व्याख्या 2x4 =8 अङ्क (ख) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x6= 6 अङ्क	15
IV	ध्यान योग (योग सूत्र 1.12-24, 2.29, 30, 32, 46, 49, 50, 3.1-4) 14 अङ्क (क) दो सूत्र व्याख्या 2x4 =8 अङ्क (ख) एक टिप्पणी 1x6= 6 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. बृहदारण्यकोपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
2. पातंजलयोगप्रदीप, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली ।
3. श्रीमद्भगवद्गीता, शांकर भाष्य, गीताप्रेस, गोरखपुर ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-701, संहिता उपनिषच्च		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–H1		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 701.1 – इस घटक में छात्रों को ऋग्वेदीय अग्नि, सविता, विष्णु आदि देवताओं के स्वरूप का बोध कराया जायेगा। CLO : 701.2 – इस घटक में वर्णित सूक्तों के माध्यम से सृष्टिप्रक्रिया और संवादसूक्तों से प्रकृति के गूढ़ तत्त्वों का ज्ञान कराया जायेगा। CLO : 701.3 – यजुर्वेदीय प्रजापतिसूक्त तथा अथर्ववेदीय भूमिसूक्त के माध्यम से छात्र प्रजापति परमात्मा के स्वरूप तथा मातृभूमि के प्रति कर्त्तव्यों को जान सकेंगे। CLO : 701.4 – इस घटक द्वारा प्रश्नोपनिषद् के प्रथम दो प्रश्नों में निहित आध्यात्मिक ज्ञान से अवगत कराया जाएगा।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	निम्नलिखित सूक्तों का आलोचनात्मक पद्धति के अनुसार अध्ययन (1) अग्नि (1.1) सविता (1.35) विष्णु (154) इन्द्रः (2.12) उषा (3.61) वरुणः (788) 14 अङ्क दो मन्त्रों की व्याख्या: 2x7=14 अङ्क	15
II	निम्नलिखित सूक्तों का आलोचनात्मक पद्धति के अनुसार अध्ययन (14 अङ्क) पुरुषः (10.90), नासदीयम् (10.129), वाक् (10.125) विश्वामित्र-नदी संवाद सूक्त (3.33), पुरुरवा-उर्वशी (10.95), सरमा-पणि संवाद (10.108) (क) किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या - 2x4=8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न - 1x6=6 अङ्क	15
III	निम्नलिखित सूक्तों का आलोचनात्मक पद्धति के अनुसार अध्ययन यजुर्वेदः, प्रजापति सूक्त (23.1-8) 14 अङ्क अथर्ववेद, भूमिसूक्तम् (12.1.31-63) (क) किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या 2 x 4 = 8 अङ्क (ख) दो टिप्पणी 2 x 3 = 6 अङ्क	15
IV	प्रश्नोपनिषद् 1-2 प्रश्न 14 अङ्क (क) दो मन्त्रों की व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. ऋग्वेद, सायणभाष्यसहित
2. ऋक्सूक्त मणिमाला, ब्रज बिहारी चैबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, देहली
3. ऋक्सूक्तसंग्रह, कृष्णकुमार एवं हरिदत्तशास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. The New Vedic Selection, Part – II, Braj Bihari Chaubey, Bharatiya Vidha Prakashan, Delhi
5. उव्वट-महीधरकृत शुक्ल यजुर्वेद भाष्य

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-702, व्याकरणम् भाषाविज्ञानम् च (1)		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–H2		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 702.1 – व्याकरणप्रक्रिया की सुगमता के लिए व्याकरणिक परिभाषाओं का अवबोध इस घटक के माध्यम से कराया जाएगा । CLO : 702.2 – लघुसिद्धान्तकौमुदी के सुबन्तप्रकरण द्वारा नाम शब्दों की निर्माण प्रक्रिया का ज्ञान कराना इस घटक का प्रयोजन है। CLO : 702.3 – लघुसिद्धान्तकौमुदी के तिङन्तप्रकरण द्वारा आख्यातशब्दों का अवगमन कराना इस घटक का अभिधेय है। CLO : 702.4 – भाषाओं के आलोचनात्मक ज्ञान हेतु भाषाविज्ञान के मुख्य बिन्दुओं का अवबोध इसमें निहित है।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	लघुसिद्धान्तकौमुदी, परिभाषाएँ- संहिता, संयोग, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, भ, सर्वनाम, निष्ठा 14 अङ्क (क) दो संज्ञा व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) टिप्पणी 1x6 = 6 अङ्क	14
II	लघुसिद्धांतकौमुदी सुबन्तप्रकरण 14 अङ्क पुल्लिङ्ग - राम, सर्व, हरि, सखि, गो स्त्रीलिङ्ग - रमा, सर्वा, मति, स्त्री नपुंसकलिङ्ग - ज्ञान, वारि हलन्तपुल्लिङ्ग - इदम्, राजन् (क) सूत्र व्याख्या 2x3 =6 अङ्क (ख) रूप सिद्धि 2x4 =8 अङ्क	16
III	लघुसिद्धांतकौमुदी तिङन्तप्रकरण भू एवं एध्, कृत्यप्रकरण (क) सूत्रव्याख्या 2x3 = 6 अङ्क (ख) रूपसिद्धि 2x4 = 8 अङ्क	16
IV	भाषाविज्ञान भाषाविज्ञान की परिभाषा व क्षेत्र, भाषा की परिभाषा एवं उसका वैशिष्ट्य, भाषापरिवर्तन और उसके भेद, भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं	14

	पारिवारिक), भारोपीय भाषा परिवार एवं उसकी शाखाएँ व उनका वैशिष्ट्य 14 अङ्क दो निबन्धात्मक प्रश्न 2x7 = 14 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. लघुसिद्धांतकौमुदी, व्या॰ श्रीधरानन्द शास्त्री घिल्डियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. लघुसिद्धांतकौमुदी, वरदराज, व्याख्या॰ भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
3. लघु॰, व्या॰-आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भाषा और भाषिकी, देवीशंकर द्विवेदी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।
5. पदपदार्थसमीक्षा, बलदेव सिंह, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
6. सामान्य भाषा-विज्ञान, बाबूराम सक्सेना
7. Introduction to comparative चीपसवेवचील, P.D. Gune, Pune

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-703, भारतीयदर्शनम् (1)		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–H3		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 703.1 – तर्कभाषा केशवमिश्र प्रणीत न्यायदर्शन का प्रकरण ग्रंथ है। यह न्यायदर्शन में प्रवेश के लिए उत्कृष्ट ग्रंथ है। इसके प्रमाण भाग में वर्णित प्रमाणों को अधिकृत करके छात्रों से निबन्धात्मक प्रश्न के द्वारा छात्रों में लेखन प्रतिभा का विकास होता है। CLO : 703.2 – तर्कभाषा की गद्यपंक्ति की सप्रसंग व्याख्या के द्वारा विषय का सूक्ष्मबोध प्राप्त होता है। CLO : 703.3 – ईश्वरकृष्ण विरचित सांख्यकारिका में सांख्य दर्शन में सभी सिद्धान्त निरुपित किये गए है। निबन्धात्मक प्रश्न लेखन के द्वारा छात्रों में लेखन प्रतिभा का विकास होता है। CLO : 703.4 – प्रत्येक कारिका के अध्ययन के द्वारा छात्रों में सूक्ष्म विषय का बोध होता है। इसमें सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4

Contact Hours	60	--	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	तर्कभाषा, आरम्भ से प्रामाण्यवाद तक 14 अङ्क (क) निबन्धात्मक प्रश्न 10 अङ्क (ख) लक्षण व्याख्या / टिप्पणी 4 अङ्क	15
II	तर्कभाषा आरम्भ से प्रामाण्यवाद तक पंक्तिव्याख्या 2x7=14 अङ्क	15
III	सांख्यकारिका तत्त्वकौमुदी के अनुसार (1-45 कारिका) 14 अङ्क (क) निबन्धात्मक प्रश्न 10 अङ्क (ख) टिप्पणी 4 अङ्क	14
IV	सांख्यकारिका: तत्त्वकौमुदी के अनुसार (1-45 कारिका) (14 अङ्क) कारिका व्याख्या 2x7= 14 अङ्क	16

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. तर्कभाषा, व्याख्या श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. तर्कभाषा, व्याख्या बदरीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. तर्कभाषा व्याख्या, गजानन शास्त्री, मुसलगाँवकर, चौखम्बा वाराणसी
4. Tarkbhasa Eng. Tr. S.R. Lyer, Varanasi
5. सांख्यकारिका, सम्पा॰ तथा व्याख्या गजानन शास्त्री, मुसलगाँवकर, चौखम्बा, वाराणसी
6. सांख्यतत्त्वकौमुदी प्रभा, सम्पा॰ तथा व्याख्या आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
7. Samkhyakarika Eng. Tr. Wilson, Delhi.

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-704, काव्यं नाटकं च		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–H1		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 704.1 – रामायण को उपजीव्य मानकर लिखे गये इस नाटक से राम के उत्तरकालीन जीवन की जानकारी के साथ-साथ छात्र संवादवाक्यों व श्लोक व्याख्या में निपुण हो सकेंगे। CLO : 704.2 – भवभूति द्वारा प्रयुक्त नाटक के सन्धि आदि तत्त्वों का बोध व सूक्तियों का अर्थज्ञान हो सकेगा। CLO : 704.3 – कवि सम्बन्धित व ग्रन्थसम्बन्धित समालोचना व समीक्षा के प्रश्न इस घटक में पूछे जायेंगे। CLO : 704.4 – इस घटक में माघ की काव्य शैली, शिशुलपालवध का महाकाव्यत्व व श्लोक-व्याख्यान सम्बन्धित ज्ञान हो सकेगा ।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	उत्तररामचरितम् (1-3 अङ्क) 14 अङ्क (क) प्रसङ्गसहित छन्दोऽलंकारनिर्देशपूर्वक दो श्लोकों की व्याख्या । 2x7 =14 अङ्क	16
II	उत्तररामचरितम् (4-7 अङ्क) 14 अङ्क (क) भावसहित दो सूक्तियों की व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) संधि, अर्थोपक्षेपक एवं नाट्यतत्व से संबंधित एक प्रश्न 1x6=6 अङ्क	14
III	उत्तररामचरितम् 14 अङ्क (क) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x10=10 अङ्क (ख) एक टिप्पणी 1x4=4 अङ्क	14
IV	शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग) (1-37 श्लोका) 14 अङ्क (क) प्रसङ्गसहित छन्दोऽलंकारनिर्देशपूर्वक दो श्लोकों की व्याख्या 2x7 =14अंक	16

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. शिशुपालवध, व्याख्या, आचार्य शेषराज रेग्मी, वाराणसी । 2. उत्तररामचरितम्, व्याख्या, वीरराघव, वाराणसी । 3. शिशुपालवध, व्याख्या प्रथम सर्ग, डॉ॰ श्रीनिवासशास्त्री साहित्य भण्डार, मेरठ । 4. उत्तररामचरितम्, सम्पादक, तारिणीश झा 5. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ॰ बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी, 1978

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-705, धर्मशास्त्रम्		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–H1		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 705.1 – धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों में मनुस्मृति का विशेष स्थान है। इस घटक में द्वितीय अध्याय के 1-120 श्लोकों का अवबोध कराया जाएगा। CLO : 705.2 – मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के 121-249 श्लोकों का ज्ञान इस घटक में निहित है। CLO : 705.3 – कौटिल्य विरचित अर्थशास्त्र के विनयाधिकारिक नामक प्रथम अधिकरण के 1-10 अध्यायों का ज्ञान कराना इस घटक का उद्देश्य है। CLO : 705.4 – अर्थशास्त्र के प्रथम अधिकरण के 11-20 अध्यायों का अवबोधन प्रकृत घटक का प्रयोजन है।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics		Contact Hours
I	मनुस्मृति द्वितीय अध्याय (1-120) (क) श्लोक व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 = 8 अङ्क 1x6 =6 अङ्क	15
II	मनुस्मृति द्वितीय अध्याय (121-249) (क) श्लोक व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 = 8 अंक 1x6 = 6 अंक	15
III	अर्थशास्त्र, प्रथम अधिकरण (अध्याय 1-10) (क) उद्धरण व्याख्या (ख) टिप्पणी	14 अङ्क 1c6 = 6 अंक 2x4 = 8 अंक	15
IV	अर्थशास्त्र, प्रथम अधिकरण (अध्याय 11-20) (क) उद्धरण व्याख्या (ख) निबन्धात्मक प्रश्न	14 अङ्क 1x6 =6 अङ्क 1x8 =8 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**
Part C-Learning Resources	
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. मनुस्मृति, कुल्लूकभट्टकृतम्-मन्वर्थमुक्तावली सहिता, शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 2. अर्थशास्त्रम्, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी	

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-706, शोधप्रविधि		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	PC–H1		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 706.1 – छात्रों में शोधात्मक दृष्टि के विकास हेतु शोध के स्वरूप एवं निर्देशक व शोधार्थी की अर्हताओं से परिचित कराया जाएगा। CLO : 706.2 – इस घटक में शोधसर्वेक्षण के स्वरूप के अवबोध द्वारा शोध की अनन्त सम्भावनाओं का ज्ञान हो सकेगा। CLO : 706.3 – शोधकार्य की रूपरेखा का निर्माण कराना प्रकृत घटक में सिखाया जाएगा । CLO : 706.4 – शोधकार्य में संगणक प्रयोग का ज्ञान कराना इस घटक का उद्देश्य है।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	शोध शब्द का अर्थ, शोध/अनसुन्धान का स्वरूप, सामान्य परिचय, शोध के समानार्थक शब्द (अन्वेषण, गवेषणा, अनुशीलन, परिशीलन, समीक्षा, आलोचना, पर्यालोचना) शोध का उद्देश्य एवं महत्त्व, शोधार्थी एवं शोधनिर्देशक की मूलभूत अर्हताएँ । 14 अङ्क (क) निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 =8 अङ्क (ख) टिप्पणी 2x3 = 6 अङ्क	16
II	शोध सर्वेक्षण का स्वरूप, उपयोगिता एवं महत्त्व, संस्कृत अनुसंधान का उद्देश्य एवं क्षेत्र 14 अङ्क (क) दो निबन्धात्मक प्रश्न 2x7 =14 अङ्क	14
III	शोध के विविध प्रकार, शोधकार्य की रूपरेखा, पूर्वबन्ध (प्राक्कथन, सन्दर्भग्रन्थ सूची निर्माण प्रक्रिया, संकेताक्षर सूची, विषयानुक्रमणिका), परिशिष्ट 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x10 = 10 अङ्क (ख) एक टिप्पणी 1x4 = 4 अङ्क	16
IV	शोधकार्य में संगणक (Computer) का प्रयोग कम्प्यूटर का परिचय,, Google, Email, MS Office Power-point Presentation, E पत्रिकाएं, Care List 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	14

	(ख) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. संस्कृतशोधप्रविधि, प्रभुनाथ द्विवेदी, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. शोधप्रविधि, डॉ॰ विजय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली
3. नवीन शोध विज्ञान, डॉ॰ तिलक सिंह

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VIII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-801, ब्राह्मणम् वेदाङ्गानि च		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–H4		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 801.1 – इस घटक में शुनः शेप आख्यान के माध्यम से पुत्र का महत्त्व और सदा परिश्रमशील रहने का बोध करवाया जाता है। CLO : 801.2 – इस घटक में निरुक्तशास्त्र का प्रयोजन, इसमें संकलित वैदिक शब्दों का निर्वचन करके प्रकृति-प्रत्यय और निर्वचन के सिद्धान्तों का ज्ञान करवाया जायेगा । CLO : 801.3 – इस घटक में छात्रों को देवता की परिभाषा, ऋचाओं के भेद, देवताओं का आकार और प्रमुख छन्दों का ज्ञान करवाया जायेगा । CLO : 801.4 – इस घटक में छात्रों को वैदिक भाषा के ज्ञान के लिए वैदिक व्याकरण का ज्ञान करवाया जायेगा ।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	ऐतरेय ब्राह्मण अध्याय: 33 (शुनशेपाख्यान) 14 अङ्क (क) दो गद्यांशों की व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	15
II	निरुक्त-प्रथम अध्याय (14 अङ्क) (क) दो पंक्तियों की व्याख्या 2x3= 6 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x8 =8 अङ्क अथवा निर्वचन	15
III	निरुक्तम् - द्वितीय अध्याय (1-5 पाद), सप्तम अध्याय (1-7) 14 अङ्क (क) दो पंक्तियों की व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) आलोचनात्मक प्रश्न/निर्वचन 1x6 =6 अङ्क	16
IV	वैदिक व्याकरणम् - वैदिक भाषा का स्वरूप, वैदिक और लौकिक भाषा में अन्तर, सन्धि, पदपाठ, वैदिक स्वर, लुङ् लकार, लेटलकार, प्रत्यया, शतृ शानच्, क्वसु, कानच्, तुमर्थक 14 अङ्क निबन्धात्मक प्रश्न 2x7 =14 अङ्क	14

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. ऐतरेय ब्राह्मण (द्वितीय भाग), सायणभाष्यसहित, सम्पादक एवं अनुवादक डॉ॰ सुधाकर मालवीय, तारा प्रिटिंग वक्र्स, वाराणसी
2. निरुक्त, हिन्दी अनुवादक पं॰ शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलोजिकल बुक हाऊस, दिल्ली
3. हिन्दी निरुक्त (अध्याय, 1, 2, 7), व्याख्या॰ कपिलदेव शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. निरुक्त (भाग 1-2), स्कन्द-महेश्वर-कृत निरुक्तभाष्यटीका सहित, लक्ष्मणस्वरूप, प्रका॰ पाणिनि, नई दिल्ली
5. वैदिक व्याकरण (भाग 1-2) रामगोपाल, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
6. A Vedic Grammar of Students, A.A. Macdonell, Motilal Banarasidass, Delhi.

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VIII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-802, व्याकरणम् भाषाविज्ञानम् च (2)		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–H5		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 802.1 – लघुसिद्धान्तकौमुदी के तिङन्तप्रकरण के अन्तर्गत अदादि धातुओं से निष्पन्न रूपों एवं नामधातु, आत्मनेपद एवं परस्मैपद प्रक्रिया का अवबोध कराना इस घटक का उद्देश्य है। CLO : 802.2 – समास एवं तद्धित, भाषा के संक्षिप्तीकरण के हेतु हैं। लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार समासप्रकरण व तद्धितप्रकरण का ज्ञान इस घटक के माध्यम से कराया जाएगा। CLO : 802.3 – सिद्धान्तकौमुदी के आधार पर कारक-विभक्ति का अवबोध इस घटक में निहित है। CLO : 802.4 – भाषाओं के मुख्य बिन्दुओं ध्वनि एवं अर्थ परिवर्तन आदि की संस्कृत के सन्दर्भ में समझ विकसित करना इस घटक का प्रयोजन है।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	लघुसिद्धान्तकौमुदी, तिङन्तप्रकरण-अदादिगण-अद, अस् 14 अङ्क नामधातुप्रकरण, आत्मनेपदप्रक्रिया, परस्मैपदप्रक्रिया (क) सूत्र व्याख्या 2x3 = 6 अङ्क (ख) रूपसिद्धि 2x4 = 8 अङ्क	16
II	लघुसिद्धांतकौमुदी- समासप्रकरण, तद्धितप्रकरण- 14 अङ्क अपत्यार्थक एवं मत्वर्थीय (क) सूत्र व्याख्या 2x3 = 6 अङ्क (ख) रूपसिद्धि 2x4 = 8 अङ्क	16
III	सिद्धान्तकौमुदी, कारकप्रकरण 14 अङ्क (क) सोदाहरण सूत्रव्याख्या 2x3 = 6 अङ्क (ख) कारक-विभक्ति प्रतिपादन 2x4 = 8 अङ्क	14
IV	भाषाविज्ञान लौकिक एवं वैदिक संस्कृत, अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ ध्वनियों का वर्गीकरण - स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर, स्वर (संस्कृत ध्वनियों के विशेष सन्दर्भ में) ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमान, वर्नर) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क दो टिप्पणी 2x4 = 8 अङ्क	14

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्या॰ डॉ॰ सत्यपाल सिंह, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
2. भाषाविज्ञान, डॉ॰ कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. सामान्यभाषाविज्ञान, बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VIII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-803, भारतीयदर्शनम् (2)		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–H6		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 803.1 – लौगाक्षिभास्कर प्रणीत अर्थसंग्रह पूर्वमीमांसा दर्शन का प्रकरण ग्रंथ है। यह पूर्वमीमांसा में प्रवेश के लिए उत्कृष्ट ग्रंथ है। इसमें वर्णित विधि भाग को अधिकृत करके छात्रों में निबन्धात्मक प्रश्न के द्वारा लेखन प्रतिभा का विकास एवं वेद वाक्यों की मीमांसा का बोध होता है। CLO : 803.2 – अर्थसंग्रह की गद्यपंक्ति व्याख्या के द्वारा छात्रों में ग्रंथ के सूक्ष्म अध्ययन का बोध कराना उद्देश्य है। CLO : 803.3 – सदानन्दयोगीन्द्र प्रणीत वेदान्तसार वेदान्तदर्शन का सुप्रसिद्ध प्रकरण ग्रंथ है। इसमें शांकर वेदान्त के प्रमुखसिद्धान्त, अध्यारोप, अपवाद निरुपित हैं। इसके निबन्धात्मक प्रश्न के द्वारा छात्रों में लेखन प्रतिभा का विकास करना है। CLO : 803.4 – वेदान्तसार ग्रन्थ की पंक्ति व्याख्या के द्वारा शांकर वेदान्त के सूक्ष्म अध्ययन का बोध छात्रों को करवाया जाता है।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4

Contact Hours	60	--	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	अर्थसंग्रह (विनियोगविधि तक) 14 अङ्क (क) निबन्धात्मक प्रश्न 10 अङ्क (ख) लक्षण व्याख्या / टिप्पणी 4 अङ्क	15
II	अर्थसंग्रह (विनियोगविधि तक) 14 अङ्क पंक्तिव्याख्या 2x7 = 14 अङ्क	15
III	वेदान्तसार 14 अङ्क (क) निबन्धात्मक प्रश्न 10 अङ्क (ख) टिप्पणी 4 अङ्क	15
IV	वेदान्तसार 14 अङ्क पंक्तिव्याख्या 2x7 = 14 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. अर्थसंग्रह, सम्पा॰ तथा व्याख्या वाचस्पति उपाध्याय, चौखम्बा ओरियण्टालिया
2. अर्थसंग्रह, व्याख्या दयाशंकर शास्त्री, कानपुर
3. अर्थसंग्रह, व्याख्या सत्यप्रकाश शर्मा, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. Arthasangraha, Eng. Tr. A.B. Gajendragadharand R.D. Ranmakra Motilal Banarsidas, Delhi
5. Arthasangraha, Eng. Tr. G. Thibaut, Delhi
6. वेदान्तसार, व्याख्या बदरीनाथ शुक्ल, वाराणसी ।
7. वेदान्तसार, सम्पा॰ तथा व्याख्याकार राममूर्ति शर्मा, दिल्ली ।
8. वेदान्तसार, व्याख्या गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, वाराणसी ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VIII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-804, काव्यम् काव्यशास्त्रम् च		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSC–H2		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 804.1 – प्रसिद्ध गद्यकवि बाणभट्ट के परिचय के साथ गद्यकाव्य की शैली व समासों का ज्ञान हो सकेगा। छात्रों में मनोवैज्ञानिक दृष्टि से चिन्तनसामर्थ्य बढ़ेगा। CLO : 804.2 – माघ की काव्य शैली के साथ नूतन शब्दों का बोध होगा। श्लोक व्याख्या में दक्षता होगी। CLO : 804.3 – इस घटक में काव्य लक्षण, काव्यहेतु, काव्यप्रयोजन के सहित काव्य के भेदों का ज्ञान कराया जायेगा? CLO : 804.4 – अभिधा, लक्षणा व व्यञ्जना आदि शब्दशक्तियों के विवेचन के साथ काव्यशास्त्र के तथ्य का ज्ञान होगा ।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्तः) 14 अङ्क "तच्च पवनोद्धूतैः इत्यतः तमतिचिरं व्यलोकयमिति यावत्" (क) गद्यांशद्वयं व्याख्यातुं गद्यांशत्रयं दास्यते - 2x7=14 अङ्क	16
II	शिशुपालवधम् (प्रथम सर्गः) 14 अङ्क (38-75 श्लोकपर्यन्तम्) (क) सप्रसङ्ग छन्दोऽलंकार निर्देशपूर्वकं श्लोकद्वयं व्याख्यातुं श्लोकत्रयं दास्यते । 2x7 =14 अङ्क	14
III	काव्यप्रकाशः (प्रथमोल्लासः) 14 अङ्क (क) एकं विवेचनात्मकं प्रश्नं/कारिकामेकां वा व्याख्यातुं प्रश्नद्वयं/कारिकाद्वयं वा दास्यते। 1x10 =10 अङ्क (ख) एकं लघुविवेचनात्मकं प्रश्नं कर्तुं प्रश्नद्वयं/टिप्पणीद्वयं वा दास्यते 1x4 =4 अङ्क	14
IV	साहित्यदर्पणः (द्वितीयपरिच्छेदः) 14 अङ्क (क) कारिकाद्वयं व्याख्यातुं कारिकात्रयं दास्यते। 2x7 = 14 अङ्क (ख) एकं प्रश्नं समाधातुं प्रश्नद्वयं दास्यते 2x7 =14 अङ्क	16

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. कादम्बरी, महाश्वेतावृत्तान्तः, सम्पादकः रामनाथ शर्मा ।
2. कादम्बरी, सांस्कृतिक अध्ययन, डॉ॰ वासुदेवशरण अग्रवाल ।
3. साहित्यदर्पण, सम्पादक, पी॰वी॰ काणे, मोतीलाल बनारसीदास
4. साहित्यदर्पण, सम्पा॰ शालीग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।
5. काव्यप्रकाश, डॉ॰ श्रीनिवासशास्त्री, सुभाष बाजार, मेरठ, उत्तरप्रदेश
6. शिशुपालवधम्, प्रथम सर्ग, व्याख्या, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VIII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-805, धर्मशास्त्रम् अभिलेखाश्च		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–H2		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 805.1 – धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों में स्मृतियों तथा अर्थशास्त्र का विशेष महत्त्व है। इस घटक में इन ग्रन्थों के वर्ण्यविषय एवं ग्रन्थाकारों से अवगत कराया जाएगा। CLO : 805.2 – याज्ञवल्क्य स्मृति के दायभाग प्रकरण का वर्तमान हिन्दू विधि अधिनियम के सन्दर्भ में समझ विकसित करना इसमें निहित है। CLO : 805.3 – प्राचीन लिपि के ज्ञान हेतु ब्राह्मी लिपि एवं उसमें लिखित अभिलेखों का ज्ञान कराना घटक का उद्देश्य है। CLO : 805.4 – मौर्योत्तरकालीन, गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन प्रमुख अभिलेखों का ज्ञान इस घटक में कराया जाएगा।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	धर्मशास्त्र से अभिप्राय, महाभारत, प्रमुख स्मृतियाँ-मनुस्मृति याज्ञवल्क्य स्मृति, नारदस्मृति, पाराशर स्मृति, अर्थशास्त्र। 14 अङ्क उपर्युक्त ग्रन्थों के वर्ण्यविषय एवं ग्रन्थकार को आधार बनाकर (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 = 8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक टिप्प्णी 1x6 = 6 अङ्क	15
II	याज्ञवल्क्य स्मृति, व्यवहार अध्याय 14 अङ्क दायभाग प्रकरण 114-149 साक्षीवरण 1-15 (क) दो श्लोक व्याख्या 2x4 =8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	15
III	लिपि तथा अभिलेख 14 अङ्क ब्राह्मी लिपि का इतिहास एवं उत्पत्ति के सिद्धान्त, गुप्तकालीन तथा अशोककालीन ब्राह्मी लिपि, अशोक कालीन प्रमुख शिलालेख व स्तम्भलेख दो निबन्धात्मक प्रश्न 2x7 = 14 अङ्क	15
IV	अभिलेख 14 अङ्क मौयोत्तरकालीन अभिलेख - कनिष्क का सारनाथ बौद्ध प्रतिमा लेख, रूद्रदमन का गिरिनार शिलालेख, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख गुप्त	15

	कालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख- समुद्रगुप्त का इलाहाबाद स्तम्भलेख, यशोधर्मन का मन्दसौर शिलालेख, हर्ष का बांसखेड़ा ताम्रपत्र अभिलेख, पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल शिलालेख (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क (ख) दो टिप्पणी 2x8 = 8 अङ्क	
Suggested Evaluation Methods		
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks		**End Term Examination: 70 Marks**
Part C-Learning Resources		
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. याज्ञवल्क्यस्मृति, व्या॰ नारायण राम आचार्य काव्यतीर्थ, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली 2. सम्राट अशोक के अभिलेख, विपश्यना अनुसंधान संस्थान 3. अशोक के अभिलेख, राजबली पाण्डेय 4. प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख, डॉ॰ परमेश्वरीलाल गुप्त 5. विश्व की मूल लिपि ब्राह्मी, डॉ॰ प्रेमसागर जैन 6. प्राचीन भारतीय लिपिमाला, ओझा, गौरीशंकर हरिचन्द		

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2025-26			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	VIII		
Name of the Course	Bachelor of Arts		
Course Code	B23-SKT-806, आयुर्वेद एवं स्वास्थ्यविज्ञानम्		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	PC–H2		
Level of the course (As per Annexure-I	400-499		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 806.1 – प्रकृत घटक के माध्यम से विद्यार्थी आयुर्वेद की समृद्ध परम्परा से परिचित होंगे। CLO : 806.2 – स्वास्थ्य की अवधारणा, त्रिदोष एवं रोगों का ज्ञान कराना इस घटक का उद्देश्य है। CLO : 806.3 – स्वस्थ जीवन जीने के लिए दिनचर्या, व्यायाम अभ्यङ्क आदि का अवबोध इसमें निहित है। CLO : 806.4 – स्वस्थ रहने हेतु ऋतु अनुकूल आहार-विहार का ज्ञान कराना इस घटक का प्रयोजन है।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	आयुर्वेद का परिचय, इतिहास, शाखा का उद्देश्य प्रमुख आचार्य धन्वन्तरि, चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट (क) आलोचनात्मक प्रश्न 1x10 = 10 अङ्क (ख) टिप्पणी 1x4 = 4 अङ्क	15
II	स्वास्थ्य की अवधारणा, परिचय, परिभाषा एवं आयाम त्रिदोष, रोगों के प्रकार 14 अङ्क (क) आलोचनात्मक प्रश्न 1x10 =10 अङ्क (ख) टिप्पणी 1x4 = 4 अङ्क	15
III	अष्टाङ्गहृदय सूत्रस्थानम्, दिनचर्याध्याय-2 14 अङ्क दिनचर्या के सिद्धान्त, व्यायाम, अभ्य तथा स्नान की अवधारणा (क) आलोचनात्मक प्रश्न 1x10 = 10 अङ्क (ख) टिप्पणी 1x4 = 4 अङ्क	15
IV	अष्टाङ्गहृदय सूत्रस्थानम्, ऋतुचर्याध्याय-3, मात्राशितीयअध्याय, 8 ऋतुचर्या की अवधारणा, उद्देश्य, विभाजन एवं प्रकार, ऋतु अनुसार आहार। 14 अङ्क (क) आलोचनात्मक प्रश्न 1x10 = 10 अङ्क (ख) टिप्पणी 1x4 = 4 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. अष्टाङ्ग, हृदयम्, व्या॰ डॉ॰ शंकरलाल बुरडक एवं डॉ॰ रामेश्वर लाल, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
2. स्वस्थवृत्तविज्ञान, प्रो॰ रामहर्ष सिंह, चैखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. आयुर्वेद का बृहत् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार
4. संस्कृत एवं आयुर्वेद का इतिहास, डॉ॰ शैलेन्द्र सिंह सेंगर

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2023-24			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	III		
Name of the Course	श्रीमद्भगवद्गीता : एक परिचय		
Course Code	B 23-VAC-328		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	VAC		
Level of the course (As per Annexure-I	100-199		
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	328.1 : इस घटक में विद्यार्थी गीता से व्यक्तित्व विकास और तनाव, अवसाद एवं आत्म विनाशकारी आग्रह (विचारों) से स्वयं को बचाकर जीवन को कर्मयुक्त बनाएंगें । 328.2 : इस घटक के माध्यम से समस्त कल्याण की भावना एवं स्वयं की शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तरों की समझ विकसित करना है । 328.3 : इस घटक में भारत की ज्ञान परम्परा के माध्यम से भारतीय आध्यात्मिक सम्पदा तथा अन्य पक्षों के प्रति सम्मान विकसित करना है । 328.4 : इस घटक से विद्यार्थी विपरीत परिस्थितियों का सामना करने एवं अपने कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक बनेंगे ।		
Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	--	30

Max. Marks: 50 **Internal Assessment Marks: 15** **End Term Exam Marks: 35**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाये । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित है । सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे ।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए । यह प्रश्न अनिवार्य होगा । इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे । प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा ।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए । ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topics	Contact Hours
I	Behavioral Science (व्यवहारिक विज्ञान) 7 अंक ● गीता से विभिन्न प्रकार के व्यक्तित्व सीखना । ● तनाव, अवसाद और आत्म विनाशकारी आग्रहों से निपटना। ● विलम्ब और अतिसक्रियता पर काबू पाना । ● नियंत्रित क्रिया द्वारा सत्त्व भाव को जगाना । ● शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को संतुलित करना । ● आध्यात्मिकता के माध्यम से क्रियाशीलता में वृद्धि करना । ● (मन बुद्धि तंत्र), बौद्धिक विकास प्रक्रिया ● ध्यान की शक्ति को पहचानना	**7**
II	Self Awareness (आत्म जागरूकता) 7 अंक ● स्वयं के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक आयामों को समझना । ● बड़े पैमाने पर अन्य जीवों और प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनना ।	**8**

	• सम्मान की संस्कृति को विकसित करना । • दु:ख से छुटकारा पाना । • आत्म जागरूकता द्वारा समग्र कल्याण ।	
III	भारतीय परम्परा द्वारा ज्ञान की प्रशंसा (सराहना) 7 अंक • भारतीय ज्ञान परम्पराओं की प्रमाण मीमांसा • खगोल-विज्ञान, वास्तुशास्त्र, योग तथा भारतीय ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के प्रति रूचि विकसित करना । • चैतन्य व परमचैतन्य में सम्बन्ध । • भारतीय आध्यात्मिक सम्पदा का वैभव । • आधुनिक व वैदिक शैक्षिक पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन । • भारतीय संस्कृति के प्रति सामान्य प्रश्न ।	**8 घण्टे**
IV	उत्तरदायित्वपूर्ण क्रिया 7 अंक • क्रिया एवं प्रतिक्रिया की सूक्ष्मताओं को समझना, कर्म, विकर्म एवं अकर्म । • सहनशीलता एवं उदारता (सहिष्णुता) के सिद्धान्त । • जीवन के दु:खों और विषमताओं से निपटना । • क्रिया में उत्तरदायित्वपूर्ण होना - कर्मयोगी । • योग की मूल अवधारणा । • योग के विविध प्रकार एवं योग-सोपान । • योग : मोक्ष के साधन के रूप में । • भक्तियोग - व्यावहारिक एवं सरल	**7 घण्टे**
Suggested Evaluation Methods		

Internal Assessment: 15 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 4 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 Marks • Mid-Term Exam: 7 Marks	**End Term Examination: 35 Marks**
Part C-Learning Resources	
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. Bhagwat Gita 2. https://vedabase.io/en/Library/bg/	